01 / 03 / 83 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

विश्व के हर स्थान पर आध्यात्मिक लाइट और ज्ञान जल पहुँचाने की अनुभूति

➢➢ मैं आत्मा स्वयं को फ़रिश्ते स्वरूप में अव्यक्त वतन में देख रही हूँ।

➳ _ ➳ सदा एकरस स्थिति में स्थित करने वाले बापदादा मेरे साथ साथ है।

→ बापदादा के साथ मैं भी अव्यक्त वतन से साक्षी होकर मधुबन वरदान भूमि को देख रही हूँ।

◆ वरदान भूमि पर बच्चो की रिमझिम लगी हुई है...

◆ जिसमे मैं भी दिख रही हूँ।

● यह सब देख देख मेरे साथ साथ बापदादा भी हर्षा रहे है।

➳ _ ➳ मधुबन एक पावर हाउस की तरह नज़र आ रहा है...

→ जहाँ से अनेकों आध्यात्मिक लाइट और ज्ञान जल के कनेक्शन चारो ओर फैले हुए नज़र आ रहे है।

◆ तभी मैं उन जगहों को भी देखती हूँ जहाँ अभी भी आध्यात्मिक लाइट और ज्ञान जल पहुँचना बाकी है।

➢➢ मैं स्वयं को मधुबन पावर हाउस में देख रही हूँ।

➳ _ ➳ यहाँ अनेकों कनेक्शन चारो ओर मेरे द्वारा जा रहे हैं।

→ मैं चारो तरफ विश्व के कोने कोने में

◆ आध्यात्मिक लाइट और ज्ञान जल पहुँचा रही हूँ।

➳ _ ➳ मैं ज्ञान गंगा बन ज्ञान जल की वर्षा करती जा रही हूँ।

→ पावर हाउस से पावर ले मैं चारो ओर आध्यात्मिक लाइट की किरणें फैला रही हूँ।

◆ अव्यक्त वतन की ऊंचाई से फ़रिश्ते स्वरूप की स्थिति में सब स्पष्ट नज़र आ रहा है

➢➢ मेरे साथ साथ बापदादा भी वतन से यह सब दृश्य देख हर्षित हो रहे है।

➳ _ ➳ सब तरफ स्पष्ट रौशनी नज़र आ रही है।

→ हर गांव, हर शहर रौशन हो गया है।

◆ आध्यात्मिक लाइट और ज्ञान जल पाकर

◆ विश्व की सभी अंधकार में भटकती हुई आत्माये

◆ प्यास में तड़पती हुई आत्माये

● आध्यात्मिक लाइट और ज्ञान जल पाकर चैतन्य आत्मायें तृप्त हो रही है।

● लाइट और ज्ञान जल पाकर सभी आत्मायें कौड़ी से हीरे तुल्य बन गयी है।

● सभी आत्माओ की वैल्यू बढ़ गयी है, सभी तृप्त हो गए है।

➳ _ ➳ अव्यक्त वतन से एक बार फिर से मधुबन स्वीट होम की रौनक को देखती हूँ।

➳ _ ➳ देश विदेश से आये हुये बच्चो से

➳ _ ➳ मधुबन, स्वीट होम की रौनक बढ़ गयी है।

→ देश विदेश से आये हुए सभी बच्चे पावर हाउस से

→ विशेष पावर लेकर अपने अपने स्थान पर जा रहे है।

◆ अव्यक्त वतन से यह मनोरम दृश्य ऐसा लग रहा मानो

● मधुबन अर्थात बापदादा के घर का श्रृंगार जा रहे है।

● सभी बच्चे बहुत खुश नजर आ रहे है।